MAIN NEWS HEADLINE प्रधानमंत्री ने भारत के बढ़ते आत्मनिर्भर चिकित्सा-

विषय सूची (Table of Contents):

>> प्रधानमंत्री का संदेश भारत के आत्मनिर्भर मेड-टेक इकोसिस्टम पर जेपी नड्डा का ल...
>> पीएम नरेंद्र मोदी की सोशल मीडिया पोस्ट...
>> चिकित्सा-तकनीक के क्षेत्र में नया युग...
>> घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा और आयात पर निर्भरता में भारी कमी...
>> लोकल फॉर वोकल और मेडिकल इक्विपमेंट...
>> आयात पर निर्भरता घटाने की रणनीति...
>> पीएलआई (PLI) योजना और मेडिकल डिवाइस पार्क का अहम योगदान...
>> उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI Scheme) की ताकत...
>> देशभर में बन रहे विशेष मेडिकल डिवाइस पार्क...
>> किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा की दिशा में भारत के मजबूत कदम...
>> आम जनता के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं...
>> तकनीक से सुलभ बनता इलाज...
>> एक विश्वसनीय वैश्विक चिकित्सा-तकनीक (Med-Tech) भागीदार के रूप में उभरता भारत...
>> वैश्विक आपूर्ति शृंखला में भारत का कद...
>> मेक इन इंडिया से मेक फॉर द वर्ल्ड...
>> एक्स (X) पर पीएमओ इंडिया की पोस्ट के मुख्य बिंदु...
>> आधिकारिक वक्तव्य का विश्लेषण...
>> आत्मनिर्भर भारत स्वास्थ्य और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में भविष्य की संभावनाएं...
>> वर्ष 2026 और उससे आगे का रोडमैप...
>> अनुसंधान और नवाचार (R D) को प्रोत्साहन...
>> निष्कर्ष...
>> आपके सवाल, हमारे जवाब...

नई दिल्ली, 08 अगस्त 2026:भारत के स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा-तकनीक (Med-Tech) क्षेत्र में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जेपी नड्डा द्वारा लिखे गए एक विशेष लेख को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर साझा किया है। इस लेख में भारत के तेजी से उभरते आत्मनिर्भर चिकित्सा-तकनीक पारिस्थितिकी तंत्र (Med-Tech Ecosystem) की विस्तृत झलक प्रस्तुत की गई है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया है कि भारत अब केवल चिकित्सा उपकरणों का आयातक नहीं रहा, बल्कि घरेलू विनिर्माण और नवाचार के बल पर एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार बनकर उभर रहा है। सरकार की दूरदर्शी नीतियों, जैसे कि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना और मेडिकल डिवाइस पार्कों की स्थापना, ने इस क्षेत्र की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है।

प्रधानमंत्री का संदेश: भारत के आत्मनिर्भर मेड-टेक इकोसिस्टम

पीएम नरेंद्र मोदी की सोशल मीडिया पोस्ट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के लेख को साझा करते हुए भारत की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश में निर्मित चिकित्सा तकनीक न केवल हमारी स्वास्थ्य प्रणाली को सशक्त बना रही है, बल्कि दुनिया भर के लिए एक मिसाल पेश कर रही है।

चिकित्सा-तकनीक के क्षेत्र में नया युग

स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। इस लेख के माध्यम से यह संदेश स्पष्ट किया गया है कि देश में उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरणों का निर्माण तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में कमी आई है और आम नागरिकों तक इसकी पहुंच सुलभ हुई है।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा और आयात पर निर्भरता में भारी कमी

लोकल फॉर वोकल और मेडिकल इक्विपमेंट

बीते कुछ वर्षों में भारत ने मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियानों के तहत घरेलू स्तर पर मेडिकल डिवाइस बनाने की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है। पहले जहां भारत को अपनी जरूरतों के लिए 80% से अधिक उन्नत चिकित्सा उपकरणों को विदेशों से आयात करना पड़ता था, वहीं अब घरेलू कंपनियों ने इन उपकरणों का निर्माण भारत में ही शुरू कर दिया है।

आयात पर निर्भरता घटाने की रणनीति

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में किसी भी देश के लिए आयात निर्भरता कम करना रणनीतिक रूप से अनिवार्य है। जिस प्रकार अंतरराष्ट्रीय रणनीतियों और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आवश्यक मानी जाती है जैसा कि आपभारत में तेल आयात पर बजट संकट! मोदी ने दिया शर्मनाक बचत आदेशके संदर्भ में देख सकते हैं ठीक उसी प्रकार स्वास्थ्य क्षेत्र में भी विदेशी उपकरणों पर निर्भरता कम करके

भारत अपनी आर्थिक और तकनीकी स्थिति को निरंतर मजबूत कर रहा है।

पीएलआई (PLI) योजना और मेडिकल डिवाइस पार्क का अहम योगदान

उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI Scheme) की ताकत

केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) योजना ने मेड-टेक सेक्टर में क्रांति ला दी है। इस योजना के अंतर्गत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को भारत में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। इससे उच्च श्रेणी के चिकित्सा उपकरणों जैसे एमआरआई (MRI), सीटी स्कैन (CT Scan) और कैंसर थेरेपी मशीनों का उत्पादन देश में ही संभव हो पा रहा है।

देशभर में बन रहे विशेष मेडिकल डिवाइस पार्क

चिकित्सा उपकरणों के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने हेतु देश के विभिन्न राज्यों में मेडिकल डिवाइस पार्क स्थापित किए गए हैं। इन पार्कों में विश्वस्तरीय परीक्षण प्रयोगशालाएं, कॉमन फैसिलिटी सेंटर और निर्बाध लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

>> हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में मेडिकल डिवाइस पार्कों का विकास।

>> रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R D) के लिए विशेष अनुदान एवं इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट।

>> सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम द्वारा त्वरित स्वीकृतियां।

किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा की दिशा में भारत के मजबूत कदम

आम जनता के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं

जब चिकित्सा उपकरण महंगे होते हैं, तो इलाज का खर्च सीधा मरीज की जेब पर पड़ता है। घरेलू स्तर पर किफायती उपकरणों का निर्माण होने से अब देश के छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों के अस्पतालों में भी आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती दरों पर उपलब्ध हो रही हैं।

तकनीक से सुलभ बनता इलाज

डिजिटल हेल्थ और आधुनिक मेड-टेक उपकरणों के संयोजन से दूरदराज के क्षेत्रों में भी टेली-मेडिसिन और त्वरित जांच संभव हो सकी है। इससे न केवल इलाज का समय बच रहा है, बल्कि समय पर सटीक उपचार मिलने से लाखों जीवन बचाए जा रहे हैं।

एक विश्वसनीय वैश्विक चिकित्सा-तकनीक (Med-Tech) भागीदार के रू

वैश्विक आपूर्ति शृंखला में भारत का कद

आज विश्व स्तर पर भारत की छवि केवल दवाओं के आपूर्तिकर्ता की नहीं, बल्कि उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरणों के निर्माता के रूप में भी स्थापित हो रही है। भारत में निर्मित मेड-टेक उत्पाद अब दुनिया के कई विकसित और विकासशील देशों में निर्यात किए जा रहे हैं।

मेक इन इंडिया से मेक फॉर द वर्ल्ड

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत अपनी कूटनीतिक और औद्योगिक क्षमता का लोहा मनवा रहा है। जहां एक ओर भारत अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अपनी सीमाओं और संप्रभुता पर मजबूती से रुख कायम रखता है जैसा चिंता पर भारत का कड़ा प्रहार: J K और लद्दाख पर MEA की दोटूकमें देखा गया वही दूसरी ओर वैश्विक आपूर्ति शृंखला में उत्पन्न उथल-पुथल एवं जटिल अंतरराष्ट्रीय परिदृश्यों जैसेट्रंप की चाल: भारत को तेल और पाकिस्तान द्वीप प्लान का सच!के बीच भी भारत ने एक विश्वसनीय मेड-टेक सप्लाई पार्टनर के रूप में अपनी जगह बनाई है।

एक्स (X) पर पीएमओ इंडिया की पोस्ट के मुख्य बिंदु

आधिकारिक वक्तव्य का विश्लेषण

प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO India) द्वारा जारी पोस्ट में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के विचारों को विस्तार से रेखांकित किया गया है। पीएमओ के अनुसार, भारत का मेड-टेक इकोसिस्टम निम्नलिखित प्रमुख स्तंभों पर मजबूती से टिका हुआ है:

>> घरेलू विनिर्माण:स्वदेशी कंपनियों का तेजी से विस्तार।

>> आयात निर्भरता में कमी:विदेशी तकनीक पर निर्भर रहने के बजाय अपनी तकनीक का विकास।

>> सरकारी प्रोत्साहन:पीएलआई योजना और इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार।

>> वैश्विक पहचान:विश्व स्तर पर किफ़ायती व भरोसेमंद चिकित्सा-तकनीक भागीदार बनना।

आत्मनिर्भर भारत: स्वास्थ्य और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में भवि

वर्ष 2026 और उससे आगे का रोडमैप

वर्ष 2026 में भारत का मेड-टेक उद्योग नए मील के पत्थर छू रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), रोबोटिक्स और आईओटी (IoT) संचालित चिकित्सा उपकरणों के एकीकरण से भारतीय उद्योग आने वाले वर्षों में वैश्विक बाजार का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने के लिए तैयार है।

अनुसंधान और नवाचार (R D) को प्रोत्साहन

केंद्र सरकार शैक्षणिक संस्थानों, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के बीच तालमेल बिठाने पर विशेष ध्यान दे रही है। इसके तहत आगामी वर्षों में पेटेंट फाइलिंग प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाया जाएगा ताकि नए विचारों को तुरंत व्यावसायिक उत्पाद में बदला जा सके।

निष्कर्ष

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा साझा किया गया केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का यह लेख इस बात का प्रमाण है कि भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। पीएलआई योजनाओं और मेडिकल डिवाइस पार्कों के माध्यम से भारत ने न केवल अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने में सफलता पाई है, बल्कि दुनिया भर के लिए एक भरोसेमंद मेड-टेक पार्टनर के रूप में स्थापित होकर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार किया है।

आपके सवाल, हमारे जवाब

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा द्वारा भारत के बढ़ते आत्मनिर्भर चिकित्सा-तकनीक (Med-Tech) पारिस्थितिकी तंत्र पर लिखे गए एक विशेष लेख को साझा किया है।

यह क्षेत्र मुख्य रूप से घरेलू विनिर्माण, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना और देश भर में स्थापित किए जा रहे मेडिकल डिवाइस पार्कों से संचालित हो रहा है।

घरेलू स्तर पर उपकरणों का निर्माण होने से अस्पताल में जांच और इलाज की लागत काफी कम होगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं किफायती और सुलभ बनेंगी।

हां, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय तथा औषधि विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर PLI Scheme फॉर मेडिकल डिवाइसेज का आधिकारिक नियम व शर्तें युक्त PDF दस्तावेज डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैं।

इच्छुक निर्माता और उद्यमी संबंधित राज्य औद्योगिक विकास निगम (State IDC) या फार्मास्यूटिकल्स विभाग के सिंगल विंडो पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन (Apply Online) कर सकते हैं।

आवेदक विभाग के आधिकारिक इंसेंटिव पोर्टल पर अपने लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके अपने आवेदन का स्टेटस (Check Status) ट्रैक कर सकते हैं।

औषधि विभाग (Department of Pharmaceuticals) की आधिकारिक वेबसाइट पर स्वीकृत कंपनियों और प्रोजेक्ट्स की अद्यतन सूची (List) सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

2026 की नवीनतम अपडेट (Latest Update) के अनुसार, भारत में 500 से अधिक उन्नत मेड-टेक उत्पाद पूरी तरह स्वदेशी रूप से निर्मित किए जा रहे हैं और निर्यात में 20% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्तमान में हिमाचल प्रदेश (नालागढ़), मध्य प्रदेश (उज्जैन), तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश (गौतम बुद्ध नगर) में मेडिकल डिवाइस पार्कों का निर्माण और संचालन किया जा रहा है।

हां, भारत वर्तमान में विश्व के 100 से अधिक देशों को उच्च गुणवत्ता वाले सर्जिकल उपकरण, डायग्नोस्टिक किट, कंज्यूमेबल्स और इमेजिंग मशीनें निर्यात कर रहा है।